छावनी स्थित सूर्या खेल परिसर में गुरुवार को सांस्कृतिक आयोजन में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कलाकारों को सम्मानित किया।

सूर्या खेल परिसर में लगी प्रदर्शनी में आकाश मिसाइल कर रही आकर्षित।

सैन्य समारोह में लगी प्रदर्शनी में दिखी देश की ताकत, स्वदेशी राकेट लांचर व्हीकल से निकलते हैं 40 राकेट

अमेठी की रायफल एक मिनट में बरसाती है 700 गोलियां

शौर्य

लखनऊ, संवाददाता। भारतीय सेना हथियारों और तकनीक के मामले में आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से कदम बढ़ा रही है। मल्टी बैरल राकेट लांचर, मिसाइल लांचर, टैंक से लेकर इंसास राइफल व असॉल्ट राइफल का एके-47 का एडवांस वर्जन एके-203 यह सब अब देश में बन रहा है। छावनी स्थित सूर्या खेल परिसर में चल रहे आर्मड फोर्सेस फेस्टिवेल में प्रदर्शित हथियारों में भारत की बढ़ती ताकत को साफ देखा और समझा जा सकता है। बुधवार को भी बड़ी संख्या में राजधानी के लोगों, स्कूली और एनसीसी के बच्चों ने थल सेना, नौसेना और वायुसेना की ताकत को देखा।

सतह से हवा में मार करने वाली आकाश मिसाइल हवा की दोगुनी रफ्तार (664 मीटर प्रति सेकेंड) से लक्ष्य की ओर जाती है। आकाश लांचर वेहकिल पर तैनात जवान ने बताया कि पूरी तरह से देश में निर्मित है।

सेना के हाथों में पहुंची एके-203 रायफल

प्रदर्शनी में सेना के एक काउंटर पर प्रदर्शित 39 एमएम एके-203 रायफल को देखने के लिए ताता लगा रहा। यह राइफल अमेठी जिले में आईआरआरपीएल (इंडो रशियन रायफल प्राइवेट लिमिटेड) में बनी है। राइफल अब सेना के हाथों में पहुंच चुकी है। जवानों ने बताया कि अमेठी में बनी एके-203 असॉल्ट राइफल, रूस में बनी एके-47 का एडवांस वर्जन है। 350 मीटर तक प्रभावी तरीके से मार सकती है। एक मिनट में 700 राउंड्स फायर करती है।

एमबीआरएल के बैरल छोड़ सब देश में निर्मित

122 एमएम एमबीआरएल (मल्टी बैरल राकेट लांचर) बीएम-21 (ग्राड) भी अब लगभग स्वदेशी हो गई है। इसमें केवल बैरल ही रूसी बचा है। आर्टलरी के नायब सूबेदार योगेन्द्र सिंह ने बताया कि एक बार में 40 राकेट निकलते हैं। एक सेकेंड में दो राकेट निकलते हैं। इससे 40 किलोमीटर दूर टारगेट को नष्ट किया जा सकता है। इस्तेमाल दुश्मन के सप्लाई प्वाइंट, एयरपोर्ट को नष्ट करने में होता है।

बीस्ट ने कम कर दिया कंधों का बोझ

प्रदर्शनी में एक बैटरी चलित छोटा सा अनोखा वाहन भी लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहा है। पूरी तरह से मेड इन इंडिया वाहन को बीस्ट -एटीटीएच (बीस्ट -आल टेरेन टैक्टिकल हाउलर) कहते हैं। यह सेना के जवानों के लिए बहुत ही उपयोगी है। इसने जवानों के कंधों के बोझ को कम कर दिया है। इस वाहन से पहाड़, पथरीले रास्तों, बर्फीली चोटियों पर बनी चौकियों तक जवानों को अपने हथियार, गोला बारूद, राशन व अन्य समान को ले जाना आसान हो गया है। इस वाहन पर 120 किलो तक सामान रखा जा सकता है। यह रिमोट से ऑपरेट होता है। बीते वर्ष इसे सेना में शामिल किया गया है।

अब क्वाड बाइक से ही टैंक ध्वस्त कर सकते हैं

अब सेना के जवान छोटी सी क्वाड बाइक के जरिए भी दुश्मनों के टैंक को ध्वस्त कर सकते हैं। सेना ने तकनीक का उत्तम इस्तेमाल करते हुए एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल (एटीजीएम) को क्वाड बाइक से जोड़ दिया है। अभी तक एटीजीएम जिप्सी में ही माउंट किया जाता था। क्वाड बाइक के बहुत से फायदे हैं। यह छोटी होती है। रेगिस्तानी और पहाड़ी इलाकों में इसका संचालन आसान है और छोटी होने के कारण इसे दुश्मनों से छुपा भी सकते हैं।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का एयरपोर्ट पर स्वागत

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह बुधवार की दोपहर लखनऊ पहुंचे। एयरपोर्ट पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह, लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, एमएलसी मुकेश शर्मा ने उनका स्वागत किया। एयरपोर्ट से रक्षामंत्री अपने आवास पहुंचे जहां राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा ने कार्यकर्ताओं के साथ उनसे भेंट की। शाम को रक्षामंत्री छावनी स्थित सूर्या ऑडिटोरियम पहुंचे जहां सांस्कृतिक संध्या में शामिल हुए। महानगर अध्यक्ष आनन्द द्विवेदी ने बताया कि गुरुवार को रक्षामंत्री सुबह 10 बजे सूर्या कॉन्फ्रेंस हॉल में हो रहे संयुक्त कमांडर्स कॉन्फ्रेंस में शामिल होंगे। इसके बाद शाम को इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान में पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में जाएंगे। शुक्रवार को खाटू श्याम मंदिर में पूजन करेंगे।